

संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवास

प्रलिस के लयि:

अमेरिका में अवैध [भारतीय प्रवास](#) में वृद्धि, [वैश्विक प्रवास](#), अल्पसंख्यक समुदाय, भेदभाव ।

मेन्स के लयि:

अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवास में वृद्धि, विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लयि सरकारी नीतयों और हस्तक्षेपों व उनके डिजाइन एवं कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे ।

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यो?

संयुक्त राज्य अमेरिका सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा के ऑकड़ों के अनुसार पछिले एक दशक में, अमेरिका में अवैध [भारतीय प्रवासयिों](#) की आमद में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है । एक दशक पूर्व यह आमद मामूली तौर पर 1,500 से बढ़कर वर्ष 2023 में आश्चर्यजनक रूप से 96,917 हो गया ।

- भारतीयों द्वारा अवैध सीमा क्रॉसिंग में सबसे महत्त्वपूर्ण उछाल वर्ष 2020 से देखा गया है, जो 10,000 से कम संख्या में ऐतिहासिक रूप से कम संख्या से प्रस्थान को चिह्नित करता है ।
- परंपरागत रूप से, अधिकांश अवैध क्रॉसिंग अमेरिकी-मेक्सिको सीमा में हुए । हालाँकि भारतीय प्रवासी उत्तरी सीमा की ओर तेज़ी से प्रवास कर रहे हैं जो वर्ष 2014 में 100 से कम से बढ़कर वर्ष 2023 में 30,000 से अधिक हो गए हैं ।

प्रवासी:

- अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन एक प्रवासी को कसिी ऐसे व्यक्तिके रूप में परिभाषित करता है जो अंतरराष्ट्रीय सीमा पार अथवा अपने निवास स्थान से दूर कसिी राज्य के भीतर जा रहा है अथवा चला गया है ।
 - प्रवास का आशय लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थायी अथवा अस्थायी रूप से जाने से है ।

संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासयिों में वृद्धिके क्या कारण हैं?

- प्रेरित करने वाले कारक/पुश फैक्टर्स:
 - भारत में रोज़गार के पर्याप्त अवसरों तथा आर्थिक संभावनाओं की कमी जैसे कई कारक हैं जो व्यक्तयिों को वदिश में बेहतर रोज़गार की संभावनाएँ खोजने के लयि प्रेरित करते हैं ।
 - भारत में सामाजिक संघर्ष अथवा शासन तंत्र में विश्वास की कमी कुछ व्यक्तयिों को कही और अधिक स्थाई वातावरण की तलाश करने के लयि प्रेरित कर सकती है ।
- आकर्षण के कारक/पुल फैक्टर्स:
 - बेहतर रोज़गार, उच्च वेतन तथा करियर में उन्नतिकी प्रसुततिके लयि अमेरिका की प्रतिष्ठाप्रवासयिों के लयि एक महत्त्वपूर्ण आकर्षण कारक के रूप में कार्य करती है ।
 - संयुक्त राज्य अमेरिका में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों का प्रलोभन छात्रों व परिवारों को शैक्षिक अवसरों की तलाश में आकर्षित करता है ।
 - संयुक्त राज्य अमेरिका में पहले से ही बसे परिवार के सदस्यों अथवा रशितेदारों के साथ पुनर्मलिन की इच्छा कुछ प्रवासयिों को प्रयिजनों से निकटता के लयि अवैध प्रवेश की तलाश करने के लयि प्रेरित करती है ।
- वैश्विक प्रवासन प्रवृत्तयिाँ:

- कोवडि महामारी के बाद **वैश्विक प्रवासन** में हुई समग्र वृद्धि ने इस वृद्धि में योगदान दिया है, क्योंकि वियक्त विभिन्न देशों में बेहतर अवसर तथा सुरक्षा की तलाश में हैं।
- **वीजा बैकलॉग तथा वैकल्पिक मार्ग:**
 - तस्करों ने अमेरिका में अवैध प्रवेश को सुवधाजनक बनाने के लिये परषिकृत एवं मांग वाली सेवाओं की पेशकश करते हुए अपने तरीके विकसित किये हैं।
 - अत्यधिक वीजा बैकलॉग ने **व्यक्तियों को** लंबे समय तक प्रतीक्षा समय तथा अधिक प्रवेश के सीमिति विकल्पों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने के **वैकल्पिक**, यद्यपि अवैध, **रास्ते तलाशने के लिये प्रेरित किये** हैं।
- **गलत सूचना:**
 - सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना फैलती है और भ्रामक ट्रैवल एजेंसियाँ अक्सर हताश प्रवासियों को गुमराह करती हैं तथा उन्हें महाद्वीपों में अनेक **सुवधाप्रदाताओं द्वारा नरिदेशित जोखिम भरी यात्राएँ** करने के लिये प्रेरित करती हैं।
 - हताश प्रवासी विभिन्न महाद्वीपों और देशों से होकर गुजरने वाली जटिल, **बहु-पैर वाली यात्राएँ** कर सकते हैं और **रास्ते में कई जोखिमों तथा चुनौतियों का सामना** कर सकते हैं।

भारत में अवैध प्रवासियों की संख्या में वृद्धि के सामाजिक-राजनीतिक और भू-राजनीतिक नहितार्थ क्या हैं?

- **द्विपक्षीय संबंध:**
 - यह मुद्दा भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को, संभावित रूप से व्यापार वार्ता, सुरक्षा सहयोग तथा रणनीतिक साझेदारी को प्रभावित कर सकता है।
- **आर्थिक कारक:**
 - **अवैध प्रवेश चाहने वाले कुशल व्यक्तियों के परिणामस्वरूप** संभावित प्रतभा पलायन भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ कुशल श्रम की मांग है।
- **प्रतभा पलायन:**
 - अवैध प्रवास के कारण कुशल और शक्तिशालि व्यक्तियों की हानि भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे देश में प्रतभा तथा विशेषज्ञता की कमी हो सकती है।
- **श्रम बाज़ार की चुनौतियाँ:**
 - कुशल या अर्ध-कुशल श्रमिकों के जाने से कुछ क्षेत्रों में श्रम की कमी हो सकती है, जिससे भारत के कार्यबल और आर्थिक उत्पादकता पर असर पड़ सकता है।
- **नीतगित परिणाम:**
 - भारत को अवैध प्रवास को बढ़ावा देने वाले कारकों, संभावित रूप से संसाधनों और अन्य विकासात्मक प्राथमिकताओं से ध्यान हटाने के लिये कठोर नीतियों को लागू करने की आवश्यकता हो सकती है।

आगे की राह

- संकट को कम करने और भारत के भीतर बेहतर अवसर प्रदान करने के लिये आर्थिक स्थिरता, रोज़गार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करना।
- **प्रवासन की ओर ले जाने वाली चिंताओं को समझने तथा उनका समाधान करने के लिये राजनयिक संवाद में संलग्न होना**, प्रवासियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये अन्य देशों के साथ सहयोग करना।